CHAUDHARY RANBIR SINGH UNIVERSITY JIND
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Amar Ujala **Date:26-08-2022**

मंथन

कुलपति रणपाल सिंह की अध्यक्षता में चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में दो साल बाद हुई आइक्यूएसी की बैठक

विश्वविद्यालय स्तर पर इनोवेशन पॉलिसी होगी तैयार

संवाद न्यूज एजेंसी

जींद। चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आइक्यूएसी की बैठक कोविड के चलते दो साल बाद बीरवार को कु लपति रणपाल सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में अनुबंधित शिक्षक स्टाफ को 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि शोध कार्य के लिए दिए जाने पर विचार हुआ। इसके अलावा डिपार्टमेंट की एक्सटर्नल ऑडिट तीन साल बाद कराने का सुझाव दिया गया है।

बैठक की अध्यक्षता करते वीसी डॉ. रणपाल। संवाद

कुलपति, कुलसचिव, शिक्षक, विद्यार्थियों के लिए कोड ऑफ कंडक्ट लागू किया जाना का सुझाव दिया गया। विश्वविद्यालय में रोजगार संबंधित कैरियर ओरिएंटेड, वैल्यू ऐडेड कोर्सेज को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। विश्वविद्यालय में एलुमनाई एसोसिएशन का रजिस्ट्रेशन जल्द किया जाना चाहिए। जिससे विश्वविद्यालय एलुमनाई अपना सहयोग विद्यार्थी और डिपार्टमेंट को दे सकेंगे। बैठक जींद के विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा ने सुझाव दिया विश्वविद्यालय अपने प्रचार प्रसार के लिए जींद के प्रमुख मार्गों पर अपने साइन बोर्ड लगवाएं जिससे अधिक मात्रा में लोगों की जागरूकता विश्वविद्यालय के प्रति बढ़ेगी।

सफीदों के पूर्व विधायक जसवीर देशवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय फ ोड के ऊपर शोध करें, क्योंकि जींद के आसपास के एरिया में बहुत से पोल्ट्री फर्म हैं और इस तरीके से फोड की न्यूट्रिशन वैल्यू को बढ़ाया जाए। विश्वविद्यालय के सोशल आउटरीच प्रोग्राम भी बढ़ाए जाने चाहिए जिससे जन जागरूकता फैले। विश्वविद्यालय स्तर पर ब्लड डोनेशन पॉलिसी तैयार की जाएगी जिससे विश्वविद्यालय नियमित तौर पर ब्लड डोनेशन कैंप लगाए जाएंगे।

कुलपति ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के लिए सहमति दी। विश्वविद्यालय के एमओयू करे हुए संस्थानों के साथ हर सेमेस्टर में एक गतिविधि आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय के एनवायरमेंट ऑडिट, एनर्जी ऑडिट और जेंडर ऑडिट के शोध कार्य पर चर्चा हुई। विश्वविद्यालय अपना न्यूज लेटर जल्दी निकालेगा जिससे समय-समय पर विश्वविद्यालय में चल रहे कार्यों को समाज के बीच ले जाया जाएगा। विश्वविद्यालय में पीपीटी और सेमिनार पाठ्यक्रम में आयोजित किए जाएंगे। विद्यार्थियों को इनोवेटिव आइडिया और स्वावलंबी बनाने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर इनोवेशन पॉलिसी तैयार की जाएगी। विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताओं परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग सेंटर तैयार किया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर पर लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया जाएगा। विश्वविद्यालय में स्टूडेंट फीडबैक फार्म भरवाए जाएंगे जिससे विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली में सुधार किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग प्लेसमेंट पर जोर दिया। विश्वविद्यालय ने गोद लिए हुए पांच गांव में कार्यों को प्रगति देगा। खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाएगी।

इस दौरान विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन, प्रो. नरसिंह, डा. दिनेश कुमार, डा. अशोक कुमार, प्रो. एसके सिन्हा, डॉ. निशा व प्रियंका मौजूद रहे।

CHAUDHARY RANBIR SINGH UNIVERSITY JIND
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Dainik Jagran **Date: 26-08-2022**

सीआरएसयू प्रतियोगी परीक्षाओं की कराएगा तैयारी

जागरण संवाददाता, जींद : चौ. रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आइक्यूएसी) की बैठक वीरवार को वीसी डा. रणपाल सिंह की अध्यक्षता में हुई। कोरोना के चलते दो साल बाद हुई इस बैठक में विभिन्न एजेंडा पर चर्चा की गई। जिसमें फैसला लिया गया कि अनुबंधित शिक्षक स्टाफ को 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि शोध कार्य के लिए दी जाएगी।

वैल्यू ऐडेड कोर्स व करियर ओरिएंटेड को बढ़ावा दिया जाना चाहिए : वभाग का बाहरी आडिट तीन साल बाद कराने का सुझाव दिया गया। वीसी, रजिस्ट्रार, शिक्षक, विद्यार्थियों के लिए कोड आफ कंडक्ट लागू किए जाने का सुझाव दिया गया। विश्वविद्यालय में रोजगार संबंधित करियर ओरिएंटेड, वैल्यू ऐडेड कोर्स को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

विश्वविद्यालय में एलुमनाइ एसोसिएशन का रजिस्ट्रेशन जल्द किया जाना चाहिए। जिससे विश्वविद्यालय एलुमनाई अपना सहयोग विद्यार्थी और विभाग को दे सकेंगे।

इस मौके पर रजिस्ट्रार प्रो. लवलीन मोहन,एमडीयू से प्रो. नरसिंहबंद, कुवि से डा. दिनेश कुमार, विशेष अतिथि एमएन कालेज शाहबाद के प्राचार्य डा. अशोक कुमार, जींद से भाजपा विधायक डा. कृष्ण मिढ़ा, सफीदों से पूर्व विधायक जसबीर देशवाल, प्रो. एसके सिन्हा सहित संबंधित सदस्य भी उपस्थित रहे।

ये भी आए सुझाव

- जींद से भाजपा विधायक डा. कृष्ण मिढ़ा ने सुझाव दिया विश्वविद्यालय अपने प्रचार प्रसार के लिए जींद के प्रमुख मार्गों पर साइन बोर्ड लगवाए। जिससे लोगों की जागरूकता विश्वविद्यालय के प्रति बढ़ेगी।
- सफीदों से पूर्व विधायक जसवीर देशवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय फीड के ऊपर शोध करें। जींद के आसपास बहुत से पोल्ट्री फार्म हैं और इस तरीके से फीड की न्यूट्रिशन वैल्यू को बढ़ाया जाए।
- नेशनल अवार्डी सुभाष ढिगाना ने कहा कि ग्राम स्तर पर विश्वविद्यालय को सामाजिक जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर शोध कार्यों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
- विश्वविद्यालय के सोशल आउटरीच प्रोग्राम भी बढ़ाए जाने चाहिएं, जिससे जन जागरूकता फैले।
- विश्वविद्यालय स्तर पर रक्तदान योजना तैयार की जाएगी। जिससे विश्वविद्यालय में नियमित रूप से रक्तदान शिविर लगाए जाएंगे।
- ईच वन टीच वन पोलिसी का सुझाव दिया गया, जिसमें विश्वविद्यालय से संबंधित विद्यार्थी ग्रामीण स्तर पर बच्चों की पढ़ाई और उनके विकास के लिए कार्य करेंगे।

सीआरएसयू में आइक्यूएसी की बैठक में मौजूद वीसी, विधायक और सदस्य। ● विज्ञप्ति

- वीसी डा. रणपाल सिंह ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के लिए हरी झंडी दी।
- विश्वविद्यालय के एमओयू किए हुए संस्थानों के साथ हर सेमेस्टर में एक गतिविधि आयोजित की जाएगी।
- नेशनल इंस्टीट्यूट आफ रैंकिंग फ्रेमवर्क भारत सरकार (एनआइआरएफ) के द्वारा संचालित संस्था में विश्वविद्यालय प्रतिभागिता करेगा।
- विश्वविद्यालय के पर्यावरण, ऊर्जा, और लिंग आडिट के शोध कार्य पर चर्चा हुई।
- विश्वविद्यालय अपना न्यूजलेटर जल्दी निकालेगा, जिससे समय-समय पर विश्वविद्यालय में चल रहे कार्यों को समाज के बीच ले जाया जाएगा।-- विश्वविद्यालय में पीपीटी और सेमिनार पाठ्यक्रम में आयोजित किए जाएंगे।
- विद्यार्थियों को इनोवेटिव आइडिया और स्वावलंबी बनाने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर इनोवेशन पोलिसी तैयार की जाएगी।
- विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताओं परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग सेंटर तैयार किया जाएगा।
- लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया जाएगा।
- विश्वविद्यालय में आइक्यूएसी की सप्ताह में बैठक की जाएगी।
- विश्वविद्यालय राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) की ग्रेडिंग के लिए नियम के अनुसार कमेटी गठित करेगा। ताकि बेहतर तरीके से कार्य किया जा सके और नैक की ग्रेडिंग हासिल कर पाए।
- स्टूडेंट फीडबैक फार्म भरवाए जाएंगे, जिससे विवि की कार्यप्रणाली में सुधार किया जा सकेगा।
- विश्वविद्यालय में पाठ्यचर्या संवर्धन समिति विभाग स्तर पर बनाई जाएगी।
- विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग प्लेसमेंट पर जोर दिया।

◆◆◆◆◆◆◆◆◆◆

CHAUDHARY RANBIR SINGH UNIVERSITY JIND
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Punjab Kesari **Date: 26-08-2022**

पंजाब केसरी
FRI,26 AUGUST 2022
EDITION: JIND KESARI, PAGE NO. 4

सी.आर.एस.यू. में आई.क्यू.ए.सी. की बैठक आयोजित

जींद, 25 अगस्त (ललित) : सी.आर.एस.यू. में आई.क्यू.ए.सी. की बैठक वीसी रणपाल सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विभिन्न एजेंटों को लेकर चर्चा की गई।

वीसी ने कहा कि कांट्रिक्चुअल शिक्षक स्टाफ को 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि शोध कार्य के लिए दी जाएगी। डिपार्टमेंट की एक्सटर्नल ऑडिट 3 साल बाद कराने का सुझाव दिया गया है। वीसी, कुलसचिव, शिक्षक, विद्यार्थियों के लिए कोड ऑफ कंडक्ट लागू किया जाना का सुझाव दिया गया। विश्वविद्यालय में रोजगार संबंधित कैरियर ओरिएंटेड वैल्यू एडिड कोर्सेज को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

विश्वविद्यालय में एलुमनाई एसोसिएशन का रजिस्ट्रेशन जल्द किया जाना चाहिए, जिससे विश्वविद्यालय एलुमनाई अपना सहयोग विद्यार्थी और डिपार्टमेंट को दे सकेंगे। जींद के विधायक डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय अपने प्रचार प्रसार के लिए जींद के प्रमुख मार्गों पर अपने साइन बोर्ड लगवाए, जिससे अधिक मात्रा में लोगों की जागरूकता विश्वविद्यालय के प्रति बढ़ेगी। सफीदों के पूर्व विधायक जसवीर देशवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय फीड के ऊपर शोध करें, क्योंकि जींद के आसपास के एरिया में बहुत से पोल्ट्री फार्म है और इस तरीके से फीड की न्यूट्रिशन वैल्यू को बढ़ाया जाए।

नैशनल अवॉर्डी सुभाष ढिगाना ने बताया कि ग्राम स्तर पर विश्वविद्यालय को सामाजिक जागरूकता अभियान के रूप से चलाने चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर शोध कार्यों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। विश्वविद्यालय के सोशल आउटरीच प्रोग्राम भी बढ़ाए जाने चाहिए जिससे जन जागरूकता फैले। विश्वविद्यालय स्तर पर ब्लड डोनेशन पॉलिसी तैयार की जाएगी जिससे विश्वविद्यालय रेगुलर टाइम पर ब्लड डोनेशन कैंप लगाए जाएंगे। ईद वन ट्रीच वन पॉलिसी का सुझाव दिया गया जिसमें विश्वविद्यालय से संबंधित विद्यार्थी ग्रामीण स्तर पर बच्चों की पढ़ाई और उनके विकास के लिए कार्य करेंगे।

वीसी ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के लिए हरी झंडी दी। विश्वविद्यालय के एम.ओ.यू. करे हुए संस्थानों के साथ हर सेमेस्टर में एक गतिविधि आयोजित की जाएगी। नैशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रैंकिंग फ्रेमवर्क भारत सरकार के द्वारा संचालित संस्था में विश्वविद्यालय प्रतिभागीता करेगा। विश्वविद्यालय के एनवायरमेंट ऑडिट, एनर्जी ऑडिट और जेंडर ऑडिट के शोध कार्य पर चर्चा हुई। विश्वविद्यालय अपना न्यूज लेटर जल्दी निकालेगा जिससे समय-समय पर विश्वविद्यालय में चल रहे कार्यों को समाज के बीच ले जाया जाएगा। विश्वविद्यालय में पी.पी.टी. और सेमिनार पाठ्यक्रम में आयोजित किए जाएंगे।

विद्यार्थियों को इनोवेटिव आइडिया और स्वावलंबी बनाने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर इनोवेशन पॉलिसी तैयार की जाएगी। विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताओं परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग सैंटर तैयार किया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर पर लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया जाएगा। विश्वविद्यालय में आई.क्यू.ए.सी. की क्वार्टरली मीटिंग की जाएगी। बैठक में लवलीन मोहन, नर सिंह, डा. दिनेश कुमार, डा. अशोक कुमार, प्रो. एसके सिन्हा, डा. सुनील फौगाट आदि मौजूद रहे।

CHAUDHARY RANBIR SINGH UNIVERSITY JIND
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Denik bhaskar **Date 26-08-2022**

विचार विमर्श • इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल की दो साल बाद हुई बैठक, डिपार्टमेंट की एक्सटर्नल ऑडिट 3 साल बाद कराने का सुझाव

सीआरएसयू अनुबंधित शिक्षक स्टाफ को शोध के लिए देगा 50 हजार रुपए

भास्कर न्यूज | जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आईक्यूएसी (इंटरनल क्वालिटी एश्योरेंस सेल) की बैठक आयोजित हुई। यह बैठक दो साल कोविड के चलते नहीं हो सकी थी। इस कमेटी की अध्यक्षता कुलपति रणपाल सिंह ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि अनुबंधित शिक्षक स्टाफ को 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि शोध कार्य के लिए दी जाएगी, डिपार्टमेंट की एक्सटर्नल ऑडिट 3 साल बाद कराने का सुझाव दिया गया। इसी प्रकार कुलपति, कुलसचिव, शिक्षक, विद्यार्थियों के लिए कोड ऑफ कंडक्ट लागू किया जाना का सुझाव दिया गया।

विश्वविद्यालय में रोजगार संबंधित करियर ओरिएंटेड/ वैल्यू एडेड कोर्सेज को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। विश्वविद्यालय में एलुमिनाई एसोसिएशन का रजिस्ट्रेशन जल्द किया जाना चाहिए, जिससे विश्वविद्यालय एलुमिनाई अपना सहयोग विद्यार्थी और डिपार्टमेंट को दे सकेंगे। इस अवसर पर विधायक डॉ. कृष्ण मिड्ढा ने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालय अपने प्रचार प्रसार के लिए जींद के प्रमुख मार्गों पर अपने साइन बोर्ड लगवाए, जिससे अधिक मात्रा में लोगों की जागरूकता विश्वविद्यालय के प्रति बढ़ेगी।

जींद. सीआरएसयू में हुई बैठक में मौजूद कुलपति व अन्य अधिकारी।

सफीदों के पूर्व विधायक जसवीर देशवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय फीड के ऊपर शोध करें, क्योंकि जींद के आसपास के एरिया में बहुत से पोल्ट्री फॉर्म हैं और इस तरीके से फीड की न्यूट्रिशन वैल्यू को बढ़ाया जाए। नेशनल अवॉर्डी सुभाष ढिगाना ने बताया कि ग्राम स्तर पर विश्वविद्यालय को सामाजिक जागरूकता अभियान के रूप से चलाने चाहिए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर शोध कार्यों को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। विश्वविद्यालय स्तर पर ब्लड डोनेशन पॉलिसी तैयार की जाएगी, जिससे विश्वविद्यालय रेगुलर टाइम पर ब्लड डोनेशन कैंप लगाए जाएंगे। कुलपति डॉ. रणपाल सिंह ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के लिए हरी झंडी दी। विश्वविद्यालय के एमओयू करे हुए संस्थानों के साथ हर सेमेस्टर में एक गतिविधि आयोजित की जाएगी। इसी प्रकार से एनआईआरएफ (नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रैंकिंग फ्रेमवर्क) भारत सरकार द्वारा संचालित संस्था में विश्वविद्यालय प्रतिभागिता करेगा।

इस मौके पर विश्वविद्यालय कुलसचिव प्रो. लवलीन मोहन, प्रो. नरसिंहबंद निदेशक आइक्यूएसी एमडीयू रोहतक, डॉ. दिनेश कुमार निदेशक आइक्यूएसी कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, विशेष अतिथि डॉ. अशोक कुमार प्रिंसिपल एमएन कॉलेज शाहबाद, आईक्यूएसी निदेशक प्रोफेसर एसके सिन्हा, उपनिदेशक डॉ निशा आदि मौजूद रहे।

विद्यार्थियों से ली जाएगी फीडबैक

विश्वविद्यालय में स्टूडेंट फीडबैक फॉर्म भरवाए जाएंगे, जिससे विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली में सुधार किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय में करिकुलम एनरिचमेंट कमेटी विभाग स्तर पर बनाई जाएगी। विश्वविद्यालय में ट्रेनिंग प्लेसमेंट पर जोर दिया। विश्वविद्यालय ने गोद लिए हुए 5 गांव में कार्यों को प्रगति देगा। खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

इनोवेशन पॉलिसी तैयार की जाएगी

विद्यार्थियों को इनोवेटिव आइडिया और स्वावलंबी बनाने के लिए विश्वविद्यालय स्तर पर इनोवेशन पॉलिसी तैयार की जाएगी। विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताओं परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग सेंटर तैयार किया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर पर लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम तैयार किया जाएगा। विश्वविद्यालय में आइक्यूएसी की क्वार्टरली मीटिंग की जाएगी। विश्वविद्यालय नेक की ग्रेडिंग के लिए सभी क्राइटेरिया के अनुसार कमेटी गठित करेगा ताकि बेहतर तरीके से कार्य किया जा सके और नेक की ग्रेडिंग हासिल कर पाए।

CHAUDHARY RANBIR SINGH UNIVERSITY JIND
Established by the State Legislature Act 28 of 2014
recognized by UGC Act 1956 U/S 12 B & 2(f)

Public Relations Office

Newspaper: Hari bhoomi **Date: 26-08-2022**

प्रतियोगिताओं परीक्षा की तैयारी के लिए कोचिंग सेंटर तैयार

सीआरएसयू स्तर पर इनोवेशन पॉलिसी तैयार होगी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में आइक्यूएसी की बैठक कोविड के चलते दो साल बाद वीरवार को हुई। इस कमेटी की अध्यक्षता कुलपति रणपाल सिंह ने की।

बैठक में कांट्रेक्चुअल शिक्षक स्टाफ को 50 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि शोध कार्य के लिए दिए जाने पर विचार हुआ। इसके अलावा डिपार्टमेंट की एक्सटर्नल ऑडिट तीन साल बाद कराने का सुझाव दिया गया है। कुलपति, कुलसचिव, शिक्षक, विद्यार्थियों के लिए कोड ऑफ कंडक्ट लागू किया जाना का सुझाव दिया गया। विश्वविद्यालय में रोजगार संबंधित कैरियर ओरिएंटेड, वैल्यू ऐडेड कोर्सेज को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। विश्वविद्यालय में एलुमनाई एसोसिएशन का रजिस्ट्रेशन जल्द किया जाना चाहिए। जिससे विश्वविद्यालय एलुमनाई अपना सहयोग विद्यार्थी और डिपार्टमेंट को दे सकेंगे। बैठक जींद के विधायक डा. कृष्ण मिड्ढा ने सुझाव दिया विश्वविद्यालय अपने प्रचार प्रसार के लिए जींद के प्रमुख मार्गों पर अपने साइन बोर्ड लगवाएं जिससे अधिक मात्रा में लोगों की जागरूकता विश्वविद्यालय के प्रति बढ़ेगी।

जींद। बैठक की अध्यक्षता करते हुए वीसी डा. रणपाल।

विश्वविद्यालय फीड के ऊपर शोध करें : देशवाल

सफीदों के पूर्व विधायक जसवीर देशवाल ने कहा कि विश्वविद्यालय फीड के ऊपर शोध करें क्योंकि जींद के आसपास के एरिया में बहुत से पोल्ट्री फर्म हैं और इस तरीके से फीड की न्यूट्रिशन वैल्यू को बढ़ाया जाए। विश्वविद्यालय के सोशल आउटरीच प्रोग्राम भी बढ़ाए जाने चाहिए जिससे जन जागरूकता फैले। विश्वविद्यालय स्तर पर ब्लड डोनेशन पॉलिसी तैयार की जाएगी जिससे विश्वविद्यालय रेग्युलर टाइम पर ब्लड डोनेशन कैंप लगाए जाएंगे। कुलपति ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के लिए हरी झंडी दी। विश्वविद्यालय के एमओयू करे हुए संस्थानों के साथ हर सेमेस्टर में एक गतिविधि आयोजित की जाएगी। विश्वविद्यालय के एनवायरमेंट ऑडिट, एनर्जी ऑडिट और जेंडर ऑडिट के शोध कार्य पर चर्चा हुई। विश्वविद्यालय अपना न्यूज लेटर जल्दी निकालेगा जिससे समय-समय पर विश्वविद्यालय में चल रहे कार्यों को समाज के बीच ले जाया जाएगा। विश्वविद्यालय में पीपीटी और सेमिनार पाठ्यक्रम में आयोजित किए जाएंगे।